भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1629
13/03/2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

मौसम भवन में भारत के पहले "ओपन-एयर आर्ट वॉल म्यूजियम" का उद्घाटन

1629 # श्री सुभाष बराला:
श्री धनंजय भीमराव महादिक:
श्री लहर सिंह सिरोया:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार देश के विभिन्न क्षेत्रों में मौसम विज्ञान और जलवायु विज्ञान के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए "ओपन-एयर आर्ट वॉल म्यूजियम" के तरह की कलात्मक पहलों का उपयोग करने की किस प्रकार योजना बना रही है;
(ख) क्या उक्त कलात्मक पहल से प्रेरणा लेकर शैक्षणिक पाठ्यक्रम में मौसम विज्ञान जागरूकता कार्यक्रमों को एकीकृत करने की कोई योजना है; और
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) नई दिल्ली के लोधी रोड स्थित "मौसम भवन" में "ओपन एयर आर्ट वॉल म्यूजियम" मौसम विज्ञान और जलवायु विज्ञान के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए देश में अपनी तरह की पहली कलात्मक पहल है। यह भारत की मौसम संबंधी प्रगति, इतिहास और समाज पर मौसम के प्रभाव का प्रतिबिंब दर्शाता है। इसमें कुछ मौसम संबंधी स्थितियों - जिसमें भारी वर्षा, लू, चक्रवात, गर्ज के साथ तूफान आदि शामिल हैं - के बारे में अनुस्मारक और चेतावनियाँ, साथ ही क्या करें और क्या न करें, की एक श्रृंखला है। वर्तमान में ऐसी ही कलात्मक पहलों की कोई योजना नहीं है।

(ख)-(ग) जी हां। मंत्रालय, मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान, भारत की आपदा जोखिम संवेदनशीलता, तैयारी और प्रबंधन में पाठ्यक्रमों और विशेष व्याख्यानों को बढ़ावा देकर मौसम विज्ञान जागरूकता कार्यक्रमों को स्कूल और कॉलेज के पाठ्यक्रमों में एकीकृत करने के लिए लगातार काम कर रहा है। इसमें विषम मौसम की घटनाओं (चक्रवात, गर्ज के साथ तूफान, भारी वर्षा, आदि) के बारे में बातचीत, अध्याय, अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ), क्या करें और क्या न करें के साथ संबंधित सुरक्षा तैयारियां तथा ऐसी आपदाओं से पहले और उसके दौरान अपनाए जाने वाले सभी सुरक्षा उपाय शामिल हैं। यह भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD), राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA), आदि द्वारा तैयार की गई सूचना, शिक्षा और संचार (IEC) सामग्री को भी बढ़ावा देता है। यह पोस्टर, पत्रक, ब्रोशर और सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से जागरूकता भी फैलाता है।

*****